ब्रह्माकुमारीज़ के विभिन्न प्रभागों द्वारा सेवाओं के लिए सेमिनार व कॉन्फ्रेंस का आयोजन

कला एवं संस्कृति प्रभाग

ब्रह्माकुमारी संस्था के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा 'स्वर्णिम विश्व निर्माण में कलाकारों का योगदान' विषय पर 2 से 6 मई 2014, तक ज्ञान-सरोवर परिसर में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -ब्र.कु.कुसुम, फोन - 09422175053, E-mail: bkchandrapur@gmail.com, ब्र.कु.दयाल, फोन - 09828699737,0914158745, E-mail: artandculturewing@gmail.com

वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग

ब्रह्माकुमारी संस्था के साइंटिस्ट एण्ड इंजीनियरिंग विंग द्वारा 'फ्यूजन ऑफ ग्रास एण्ड सटल फॉर होलिस्टिक वेलनेस (Fusion of Subtle for Holistic Wellness) विषय पर 9 से 13 मई 2014 तक ज्ञान-सरोवर परिसर में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -ब्र.कु.मोहन सिंघल, फोन - 02974-238788, E-mail: bksew@bkivv.org, bkacademy@gmail.com

धार्मिक प्रभाग

ब्रह्माकुमारी संस्था के धार्मिक प्रभाग द्वारा 'सनातन संस्कृति की पुन:स्थापना' विषय पर 16 से 20 मई 2014, तक ज्ञानसरोवर परिसर में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -ब्र.कु.रामनाथ, फोन - 09414150854, 09982927175

प्रशासक सेवा प्रभाग

ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा 'लीडिंग विथ द हॉर्ट' विषय पर 23 से 26 मई 2014, तक ज्ञानसरोवर परिसर में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -ब्र.कु.हरीश, फोन -09414154847, E-mail: administratorswing @bkivv.org

शिक्षा प्रभाग

ब्रह्माकुमारी संस्था के शिक्षा प्रभाग द्वारा युनिवर्सिटी एवं कॉलेज के शिक्षकों के लिए 'एज्युकेशन इन वैल्यूज़ एण्ड स्पिरिचुएलिटी' विषय पर 30 मई से 3 जून 2014 तक ज्ञानसरोवर परिसर में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -ब्र.कु.सुमन, फोन - 09413384864, E-mail: bk.suman@gmail.com

मीडिया प्रभाग

ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभाग द्वारा "समाज में मूल्यों की पुन: स्थापना में मीडिया की भूमिका" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 6 से 10 जून के बीच ज्ञानसरोवर,माउण्ट आबू में किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें मो. 9414156615, 9928756615। E-mail: mediawing@bkivv.org

ग्रामीण प्रभाग

ग्रामीण प्रभाग द्वारा 20 से 24 जून तक ज्ञानसरोवर में "शाश्वत यौगिक खेती" विषय पर रिट्रीट का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 02974-237059। E-mail:ruralwing@bkivv.org, ruralwing@gmail.com

महिला प्रभाग

"महिला एवं हिंसा मुक्त समाज" विषय पर कॉन्फ्रेंस का आयोजन 27 जून से 1 जुलाई तक ज्ञान सरोवर में आयोजित किया गया है जिसमें क्लब्स के प्रेसीडेंट और निदेशिकाएँ भाग लेंगी। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें मो. 9414155345, E-mail: savitabehen@gmail.com, womenwing@bkivv.org

ट्रांसपोर्ट प्रभाग

18-22 जुलाई तक ज्ञानसरोवर, माउण्ट आबू में "स्पीड, सेफ्टी एण्ड सिरिचुएलिटी" विषय पर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें: मो. 9414153366। E-mail: hqoffice.ttw@gmail.com

ट्रांसपोर्ट एविएशन प्रभाग

25-29 जुलाई -2014 के बीच में ज्ञानसरोवर, माउण्ट आबू में "जॉयफुल लाइफ" विषय पर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए: मो. 9413384864। E-mail: satservices@bkivv.org

मेडिकल प्रभाग

1 से 4 अगस्त के बीच "माइंड एण्ड बॉडी मेडिसिन" विषय पर कॉन्फ्रेंस का आयोजन ज्ञानसरोवर,माउण्ट आबू में किया गया है। अधिक जानकारी के लिए: मो. 9414032218। E-mail: mindbodymedicine@gmail.com

PEACE OF MIND - TV CHANNEL

Cable network service
"C" Band with Mpeg4 receiver
Frequency:4054,
Polarisation:Horizontal, Degree: 83
Symbol:13230, Satellite:INSAT 4A,
Peace of Mind: (Vision Shiksha)

DTH Services
Videocon D2H: Channel no. 697,
Reliance Big TV: Channel no. 171

Smart Phone Service
Android | Blackberry | iPhone | iPad | Tablet | Visit: http://pmtv.in

Mobile Audio Service
Airtel - 55231 - Rs.2 per day
Vodafone - 552013 - Rs 1 per day
Reliance - 56300123 Rs 1 per day

अगर आप पीस ऑफ माइण्ड चैनल चालु करवाना चाहते हैं तो अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 9414151111, 8104777111

सूचना–ओम शान्ति मीडिया में सेवा के लिए हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की जानकारी रखने व पत्रकारिता के अनुभवी भाइयों की आवश्यकता है। ई.मेल, वेबसाइट तथा सॉफ्टवेयर की भी जानकारी हो। ईश्वरीय सेवा के इच्छुक भाई अपना पूरा डाटा इस ईमेल पर भेजें-
Email- mediabkm@gmail.com
M-8107119445

प्रश्न - बाबा बार-बार कह रहे हैं कि निर्विघ्न जीवन बनाओ परंतु हमारे जीवन में तो कोई ना कोई विघ्न डालता ही रहता है। जितना हम निर्विघ्न बनना चाहते हैं, उतने ही विघ्न आ रहे हैं। हम जानना चाहते हैं कि निर्विघ्न स्थिति क्या है और इस स्थिति के लिए हम क्या-क्या बातें ध्यान में रखें?

उत्तर - कलयुगी संसार में ऐसा कोई मनुष्य नहीं जिसे विघ्नों का सामना ना करना पड़ता हो। विघ्न मनुष्य को कुछ सिखाने आते हैं, उसे कुछ देने आते हैं। किसी के लिए विघ्न वरदान बन जाते हैं और किसी के लिए अभिशाप। मुख्य बात है कि हम विघ्नों को विघ्न समझते हैं या नहीं ! किसी-किसी का मन इतना निर्बल होता है कि उसे हर बात विघ्न लगती है। ऐसे नाज़ुक मन वाले लोग विघ्नों में अति परेशान हो जाते हैं।

अनेक विघ्नों का कारण मनुष्य के पूर्व जन्मों का खाता है। हमने कुछ ऐसे कार्य कर लिए हैं जिनका परिणाम जब सामने आता है तो मनुष्य उसको सह नहीं पाता। आप आने वाली हर बात को सहज स्वीकार करो तो मन हल्का रहेगा और जब मन हल्का रहता है तो विघ्न भी हल्के हो जाते हैं।

निर्विघ्न स्थिति का अर्थ है हमारा मन प्रसन्न हो, संतुष्ट हो, किसी तरह का कोई डिस्टर्बेन्स मन को अशांत ना करे। हम अमृतवेला और मुरली का पूरा सुख लेते हों। हमारे पुरुषार्थ में कोई भी बात बाधक ना हो। ऐसी स्थिति बनाने के लिए हमें स्वमान का अच्छा अभ्यास करना चाहिए। प्रतिदिन सवेरे आँख खुलते ही 7 बार याद करना चाहिए कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और निर्विघ्न हूँ। साथ-साथ प्रतिदिन एक घण्टा विशेष योग दो स्वमान के साथ कर लेना चाहिए कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और विघ्न विनाशक हूँ। ऐसा करने से कई छोटे-मोटे विघ्न स्वत: नष्ट होते रहेंगे। जितना स्वयं को व्यर्थ से मुक्त रखेंगे, उतना ही जीवन विघ्न से मुक्त रहेगा।

प्रश्न - बाबा कहते हैं कि तुम मेरे राइट हैण्ड बच्चे हो। राइट हैण्ड किसे कहा जाता है? हम बाबा के राईट हैण्ड हैं, ये हम कैसे समझें?

उत्तर - भगवान युग परिवर्तन के लिए आए हैं। उन्होंने महान अविनाशी रुद्र ज्ञान यज्ञ रचा है। उनके इस महान कार्य में जो पूर्ण सहयोगी बनते हैं, जो अपनी पूरी शक्ति लगा देते हैं, वे ही भगवान के राइट हैण्ड हैं। जिस मनुष्य में जितनी शक्ति होती है, उतनी ही शक्ति उसके राइट हैण्ड में भी होती है। इसलिये बाबा हमें ये भी याद दिलाते हैं कि जितनी शक्ति मुझमें है, उतनी ही शक्ति तुममें भी है। तुम निर्बल नहीं हो इसलिये माया के आगे कभी झुकना नहीं।

हम यदि निष्काम भाव से बाबा के कार्यों में मदद करते हैं, यदि हम बाबा के यज्ञ को वैसा ही समझते हैं जैसा हम अपने घर को समझते हैं, यदि हम बाबा के यज्ञ का वैसा ही ध्यान रखते हैं जैसा अपने घर का रखते हैं। यदि सेवा संबंधी उसकी आज्ञाओं को हम सिरोधार्य करके चलते हैं, आनाकानी नहीं करते अथवा यदि हम तन-मन-धन से सदा उसके कार्य में तत्पर रहते हैं तो हम उसके राइट हैण्ड हैं।

प्रश्न - हम ज्ञान में पाँच साल से चल रहे हैं परंतु हमारे पापा पवित्रता व खान-पान की धारणा के कारण माताजी के साथ झगड़ा और मारपीट करते हैं। हम तो कहते हैं कि बाबा हमारे साथ है फिर माया का वार क्यों हो रहा है?

उत्तर - ये तो ठीक है कि बाबा आपके साथ है परंतु आपके पापा भी तो आपके साथ हैं ! पापा की रूचि ईश्वरीय ज्ञान में नहीं है और आप सभी पूरी वफादारी से ज्ञान को फॉलो करना चाहते हैं तो थोड़ा बहुत तो संघर्ष होगा ही। इसे स्वीकार करके अपने चित्त को शांत करो। यदि आपको ये नशा है कि भगवान हमारे साथ है तो आपको इन सब बातों से पूरी तरह निर्भय हो जाना चाहिए। ये बातें तो परीक्षा के रूप में हरेक के सामने आती ही हैं परंतु याद रखना है कि इन परीक्षाओं में हमें अधिकतम अंक लेने हैं।

आप घर में भोजन बनाते हुए भोजन को बहुत श्रेष्ठ वायब्रेशन्स दें। बार-बार यह अभ्यास करें कि मैं परम पवित्र आत्मा हूँ और जब भोजन खिलायें तो यह संकल्प करें कि पवित्र भोजन को खाने से इस आत्मा का चित्त शांत हो जाए।

साथ ही आपको अपने घर में 3 बार 15-15 मिनट बैठकर योग के वायब्रेशन्स फैलाने हैं। पहली बार घर में शांति की, दूसरी बार पवित्रता की और तीसरी बार शक्तियों की किरणें फैलानी हैं। इस अलौकिक माहौल में उनका चित्त शांत हो जाएगा।

प्रश्न - मैं आठवीं कक्षा की विद्यार्थी हूँ। मेरा ध्यान छोटी-छोटी वस्तुओं की ओर बहुत जाता है और मैं कभी वस्तुओं से संतुष्ट भी नहीं हो पाती हूँ। इसके कारण पढ़ाई में भी एकाग्रता नहीं होती। मैं क्या करूँ?

उत्तर - तुम बहुत समझदार हो जिसे ये पता है कि उसका आकर्षण वस्तुओं की ओर जा रहा है। संसार में ऐसे लोग भी हैं जो वस्तुओं के गुलाम हैं लेकिन इसका उन्हें एहसास नहीं है। तुम छोटी होते हुए भी बड़ी हो जो गहराई से इन बातों को समझ सकी हो।

जिस मनुष्य का ध्यान व्यक्तियों या वस्तुओं में बहुत रहता है, वह पढ़ाई में कभी एकाग्र नहीं रह सकता। वस्तुओं में भागता मन एकाग्रता से दूर चला जाता है। तुम्हें ये जानना चाहिए कि ये सांसारिक पदार्थ मनुष्य को कभी भी तृप्त नहीं होने देते। एक इच्छा के बाद दूसरी इच्छा प्रबल हो जाती है। इसलिये समझदार मनुष्य को चाहिए कि वह सुंदर वस्तुओं का गुलाम ना बने। ये वस्तुएँ विनाशी हैं और आत्मा अविनाशी है। विनाशी वस्तुएँ अविनाशी आत्मा को तृप्त नहीं कर सकती। इसलिये जो कुछ तुम्हारे पास रहता है, उसमें ही संतुष्ट रहा करो और सबकुछ बाबा पर छोड़ दो। वो तुम्हें अच्छी से अच्छी चीज़ स्वत: ही दिया करेंगे।

पढ़ाई में एकाग्रता सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है। वस्तुएँ तो फिर भी मिल जाती हैं लेकिन पढ़ाई में यदि असफल हुए तो वो समय लौट कर नहीं आता। इसलिये अपनी इच्छाएँ कम कर दो तो पढ़ाई में तुम्हारी एकाग्रता बहुत बढ़ जाएगी। अब अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दो।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com